

SHRI JORAVERSINH DANUBHAI JADAV

Shri Joraversinh Danubhai Jadav is a renowned person in the areas of Folk culture, Folk art and Folk literature. He is the founder and Managing Trustee of Gujarat Lok Kala Foundation (Trust). Indian's five thousand Folk artists of different states are in contact with this trust. He published 93 valuable and searchable (remarkable) books for Folk art and Folk culture. Among from these 3 books are taught as Textbooks in different Universities.

2. Born on January 10, 1940. Shri Jadav got M.A. Degree with an Ancient Indian culture. He gave his noble service for 30 years as a Publicity Officer in Gujarat State Co. operative Union and also gave his best service as a Chief Executive for constant four years and dedicated his life for Folk Art and Folk Artists.

3. Shri Jadav found traditional Folk artists who lived in internal (Inner) Villages and also promoted them on stage; Doordarshan and also on AIR (Aakashwani) (All India Radio). Their Folk art are performed successfully and honoured proudly in different countries like Trinidad and Tobago, Surihnam, Chicago, Canada, Dubai and Oman. National and International Folk art programmes are organized by Gujarat Folk art Foundation.

4. Shri Jadav is a Hon. Member of world Gujarat Samaj (Society) and also a Member of Dordarshan Advisory and Screening Committee. He is also an Audition Committee Member of AIR, Ahmedabad and Committee Member of Meghani Folk Literature Center of Saurashtra University, Rajkot. He gave his humble service as a Member of Gujarat Literature (Sahitya) Academy and Gujarat Music and Drama (Sangit and Natak) academy. He also give his service as an organizer (Auditor) of World Gujarat Society's (VGS) monthly Publication, Sahkar (Co. Operation) weekly and also as an Editor of Gram Swaraj monthly for so many years. He produced a documentary film (movie) for embroidery and bid work of Gujarat.

5. Shri Jadav has become a true honourable and rewardable person (member) for his contribution to the Folk art & culture, he has been awarded many times Folk art award (Lok Kala) by world Guj. Society (VGS) Chicago, USA, Eastern International award for love and peace, Giant International Award, Proud Award (Gaurav Puraskar) by Govt. of Gujarat, Zaverchand Meghani Award by Meghani Folk Literature Center, Padmabhushan Dr. Komal Kothari Life time achievement award by West Zone cultural center Udaipur, Folk Literature award of Poet (Writer) Dula Bhaya Kaag, Meghmani Gold Medal of Folk Literature search Institute Churu, Rajasthan, Gold Medal of Ambawadi Art Group (Kala Vrund) and Sardar Pride Service Society (SGSS) Award.

श्री जोरावरसिंह दानुभाई जादव



श्री जोरावरसिंह दानुभाई जादव, लोक संस्कृति, लोक कला और लोक साहित्य के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व हैं। आप गुजरात लोक कला फाउंडेशन (ट्रस्ट) के संस्थापक और प्रबंध न्यासी हैं। भारत के विभिन्न राज्यों के पांच हजार लोक कलाकार इस ट्रस्ट से जुड़े हुए हैं। आपने लोक कला और लोक संस्कृति पर 93 मूल्यवान और खोजपरक(उल्लेखनीय) पुस्तकें प्रकाशित की हैं। इनमें से 3 पुस्तकों को विभिन्न विश्वविद्यालयों में पाठ्य पुस्तकों के रूप में पढ़ाया जाता है।

2. आपका जन्म 10 जनवरी 1940 को हुआ था। आपने प्राचीन भारतीय संस्कृति में एम.ए.की उपाधि प्राप्त की। आपने गुजरात राज्य सहकारी यूनियन में प्रचार-प्रसार अधिकारी के रूप में 30 वर्षों तक अपनी उत्कृष्ट सेवाएं दीं और लगातार चार वर्षों तक मुख्य कार्यपालक के रूप में अपनी सर्वश्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करते हुए लोक कला और लोक कलाकारों के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है।

3. आपने दूर देहात में रहने वाले पारंपरिक लोक कलाकारों का पता लगाया और उन्हें मंच, दूरदर्शन और आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) तक भी पहुंचाया। त्रिनिदाद और टोबैगो, सूरीनाम, शिकागो, कनाडा, दुबई और ओमान जैसे विभिन्न देशों में आपकी लोक कला का सफल आयोजन किया जाता है और इन आयोजनों को काफी सम्मान दिया जाता है। गुजरात लोक कला फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय लोक कला कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

4. आप विश्व गुजरात समाज के एक माननीय सदस्य हैं और साथ ही दूरदर्शन सलाहकार और स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य भी हैं। आप आकाशवाणी, अहमदाबाद की ऑडिशन समिति के सदस्य और सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट के मेघानी लोक साहित्य केंद्र के समिति सदस्य भी हैं। आपने गुजरात साहित्य अकादमी और गुजरात संगीत और नाटक अकादमी के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। आप विश्व गुजरात सोसाइटी (वीजीएस) मासिक प्रकाशन, सहकार साप्ताहिक के एक आयोजक (ऑडिटर) के रूप में और कई वर्षों तक मासिक ग्राम स्वराज के संपादक के रूप में भी अपनी सेवाएं देते रहे हैं। आपने गुजरात की कढ़ाई और बिडवर्क के लिए एक वृत्तचित्र फिल्म का निर्माण भी किया।

5. आप लोक कला और संस्कृति में अपने योगदान के लिए सच्चे अर्थों में सम्मान और पुरस्कार प्राप्त करने वाले व्यक्ति (सदस्य) बन गए हैं। आपको विश्व गुजरात सोसाइटी (वीजीएस) शिकागो, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा कई बार लोक कला पुरस्कार (लोक कला),प्रेम और शांति के लिए पूर्वी अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार, गुजरात सरकार द्वारा विशाल अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार, गौरव पुरस्कार, (गौरव पुरस्कार)। मेघानी लोक साहित्य केंद्र द्वारा झवेरचंद मेघानी पुरस्कार, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर द्वारा पद्मभूषण डॉ. कोमल कोठारी लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड, लोक साहित्य कवि (लेखक) पुरस्कार दुला भया काग, लोक साहित्य खोज संस्थान चूरू, राजस्थान का मेघमणि गोल्ड मेडल, अंबावाड़ी कला समूह (कला वृंद) का स्वर्ण पदक और सरदार गौरव सेवा सोसायटी (एसजीएसएस) पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।